# ASU NEWS-LETTER

vol.3 No.3

May-June 2018

**ALLAHABAD STATE UNIVERSITY**
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad – 211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

**ADMINISTRATION:**

**Prof. Rajendra Prasad**
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

**Dharmendra Prakash Tripathi**
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

**(Dr.) Vineeta Yadav**
Registrar
Mobile No.: +91-9450161119
Ph(O): 0532-2256207
email: registrarasua@gmail.com

**Sheshnath Pandey**
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

**Prabhash Dwivedi**
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9454028590

**Deepti Mishra**
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

## कुलपति की कलम से

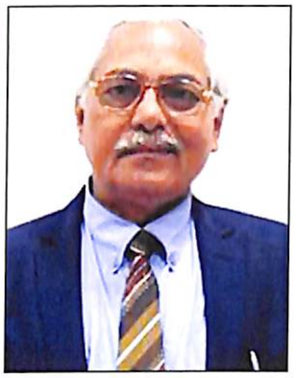

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशानुसार मई-जून 2018 में परीक्षा-संचालन, मूल्यांकन और स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षाओं का परीक्षाफल निर्धारित समय-सीमा में घोषित करके सत्र-नियमन सुनिश्चित किया है। आगामी शैक्षिक सत्र 2018-19 का कैलेण्डर भी जारी कर दिया गया है।

आगामी सत्र में विश्वविद्यालय के आवासीय खण्ड और सम्बद्ध महाविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और नियमित पाठ्यक्रमों में आनलाइन प्रवेश आवेदन की तिथियाँ घोषित कर रखी हैं।

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने दिनांक 17 जून 2018 को अपना ''द्वितीय स्थापना दिवस'' सर्वांगीण भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रो0 (डॉ0) दिनेश शर्मा, माननीय उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि के रूप में विद्यमान थे। माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने नैनी स्थित निर्माणाधीन मुख्य परिसर में मुख्य अकादमिक भवन (चार मंजिला) का भूमि पूजन/शिलान्यास करके नयी ऊर्जा और बौद्धिक स्पंदन का मार्ग प्रशस्त किया है। आशा ही नहीं विश्वास है कि दिसम्बर 2018 तक नैनी स्थित परिसर में मुख्य प्रशासनिक भवन, अकादमिक भवन, कुलपति, वित्त अधिकारी, कुलसचिव के आवास, बहुउद्देशीय भवन, अतिथिगृह पूर्ण साज-सज्जा के साथ तैयार हो जायेंगे। इस प्रकार इसी सत्र में मुख्य परिसर में पठन-पाठन के परिवेश हेतु समस्त आधारीय सुविधाएँ हासिल होंगी। शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण होते ही इस राज्य विश्वविद्यालय में नयी चहल-पहल सम्भव हो सकेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः ।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते ।। (7/2)
– श्रीमद्भगवद्गीता

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने घोषित किया बी.कॉम का परीक्षाफल

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा 2017-18 की वार्षिक परीक्षा का पहला परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है, जो बी.कॉम प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों का है। कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने पहला परीक्षा परिणाम घोषित होने पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बाकी परीक्षा परिणाम भी समय से घोषित किए जायेंगे। रजिस्ट्रार/परीक्षा नियंत्रक डॉ. साहब लाल मौर्य ने बताया कि परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने बी0एस-सी0 का परीक्षा परिणाम घोषित किया

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने बी0एस-सी0 प्रथम वर्ष सत्र 2017-18 का वार्षिक परीक्षा परिणाम को घोषित कर दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षार्थी अपना रिजल्ट विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.alldstateuniversity.org से डाउनलोड कर सकते है।

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने परास्नातक के 12 विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने 12 विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इनमें एम.एससी. प्राणि विज्ञान, एम0एससी0 वनस्पति विज्ञान, एम0एससी0 रसायन विज्ञान प्रथम वर्ष, एम.कॉम. एम0ए0 इतिहास, एम0ए0 मध्यकालीन व आधुनिक इतिहास एम0ए0 गणित, एम0एससी0 गणित, एम0एससी0 कृषि अर्थशास्त्र, एम0एस सी0 कृषि प्रसार, एम0ए शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, हिन्दी, प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व के परिणाम शामिल हैं। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय ने 15 जून तक सभी विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से रिजल्ट डाउनलोड कर सकते हैं।

## • 70 प्रतिशत से ज्यादा अंक पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का कड़ा रूख

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रैक्टिकल परीक्षा में जिन अभ्यार्थियों को 70 प्रतिशत से अधिक नम्बर मिलेंगे, उनकी कॉपी कॉलेजों को अलग से सील करके विश्वविद्यालय को भेजनी होगी। इतना ही नहीं परीक्षकों को ऐसे विद्यार्थियों की कॉपियों पर 70 प्रतिशत से अधिक नम्बर देने का औचित्य भी स्पष्ट करना होगा। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य की ओर से इस आशय का कार्यालय आदेश मंडल के चारों जिलों के सम्बद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों के भेजा गया है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद की पहल पर यह कदम पारदर्शिता के लिहाज से उठाया गया। यह भी तय हुआ है कि मौखिक परीक्षा के प्राप्तांकों का विवरण ऑनलाइन करने के उपरांत प्राप्तांकों की हार्डकॉपी एवं प्रयोगशाला में आंतरिक और बाह्य परीक्षकों के साथ सभी छात्रों की संयुक्त फोटो खींचकर विश्वविद्यालय को भेजनी होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वास्तव में मौखिक परीक्षा हुई है। कुलसचिव ने प्रैक्टिकल और मौखिक परीक्षा की वीडियोग्राफी कराते हुए इसकी सीडी भी अवार्ड लिस्ट यानी अंक पत्र के साथ विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने को कहा है। कुलसचिव डॉ0 मौर्य का कहना है कि कुछ कॉलेज इस व्यवस्था का पालन न करते हुए फोटोग्राफ, सीडी और 70 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों की कॉपी अलग से नहीं भेज रहे हैं। विश्वविद्यालय का आदेश न मानने वाले कॉलेजों का परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया जायेगा, जिसके लिए कॉलेज प्रशासन सीधे तौर पर जिम्मेदार होगा।

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की सत्र 2018-19 की प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन जारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों और संघटक कॉलेजों में प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन 05 जुलाई 2018 तक स्वीकार किये जाएंगे। तत्क्रम में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय एवं संघटक कॉलेजों में जुलाई से नया सत्र प्रारम्भ होगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित एम.ए. (हिन्दी, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, राजनीति विज्ञान, मास्टर इन सोशल वर्क और एम.कॉम.) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गये हैं। संघटक कॉलेजों में प्रोफेशनल कोर्सेज के तहत तीन-वर्षीय एलएल.बी., पांच-वर्षीय एलएल.बी. समेत बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.पीएड., एम.पीएड. और एम.एड. में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे हैं। अभ्यर्थी 05 जुलाई 2018 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित एम. कॉम., एम.ए. और एम.एस.डब्ल्यू. के प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कुल 30 सीटें निर्धारित हैं। प्रवेश अर्हकारी परीक्षा की मेरिट के आधार पर किए जाएंगे, लेकिन अभ्यर्थियों की अधिक संख्या होने पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश होंगे। प्रवेश परीक्षा में कुल 100 वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे जो स्नातक वाणिज्य एवं स्नातक कला स्तर के होंगे। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि संघटक कॉलेजों में संचालित प्रोफेशनल कोर्सेज की परीक्षा विश्वविद्यालय प्रशासन कराएगा। कुलभास्कर आश्रम पी.जी. कॉलेज को केवल एग्रीकल्चर की परीक्षा कराने की अनुमति दी गई है। जुलाई से नया सत्र भी शुरू हो जाएगा।

## • राज्य विश्वविद्यालय में नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में दर्जनों व्यावसायिक पाठ्यक्रम आगामी शैक्षिक सत्र से प्रारम्भ करने की योजना है। मुख्य कैंपस में यह कोर्स संचालित किये जायेंगे। मुख्य परिसर बनने के साथ ही इसमें शैक्षिक गतिविधियों का विस्तार किया जाएगा। इसमें नर्सिंग, सिनेमा एवं नाट्य अध्ययन, प्रोफेशनल उर्दू, फिजियोथिरेपी, टेक्सटाइल, फारेंसिक स्टडीज, डिजास्टर मैनेजमेंट, आयुर्वेद-यूनानी, एग्रीकल्चर स्टडीज सहित पॉपुलर कोर्सों का संचालन किया जाएगा। साथ ही परास्नातक, स्नातक डिग्री, डिप्लोमा, परास्नातक डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र कार्यक्रम शामिल होंगे। कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विधि वर्ग से छात्रों के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का लक्ष्य, सभी व्यक्तियों को अच्छे रोजगार सुलभ कराने तथा विश्व बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें उन्नत कौशल, ज्ञान तथा योग्यताओं के माध्यम से समक्ष बनाना है।

इस योजना के माध्यम से युवाओं, महिलाओं एवं वंचित वर्ग के छात्रों को कौशल विकास का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन कोर्सों की महत्वपूर्ण बात यह है कि बाजार की वर्तमान रोजगार आवश्यकताओं को देखते हुए इनको तैयार किया जा रहा है। सरस्वती हाईटेक सिटी में प्रस्तावित विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के बनते ही वहां पर शैक्षिक गतिविधियां विस्तार लेंगी।

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2018-19 का शैक्षिक कैलेण्डर जारी किया

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2018-19 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके

अनुसार विश्वविद्यालय और इससे सम्बद्ध मंडल के चारों जिलों के कॉलेजों में स्नातक की प्रवेश प्रक्रिया 30 जून 2018 और परास्नातक की 30 जुलाई 2018 तक पूरी की जायेगी। तत्क्रम में शासन से परिवर्तन होते कोई निर्देश/आदेश दिये जाने पर अपेक्षित संशोधन/परिवर्द्धन किया जा सकता है।

कॉलेजों में एक जुलाई से कक्षाएं प्रारंभ होंगी। सम्बद्ध कॉलेजों को स्नातक में प्रवेश लेने वाले छात्रों की सूची 31 जुलाई 2018 और परास्नातक में प्रवेश लेने वालों की सूची 14 अगस्त 2018 तक विश्वविद्यालय को भेजनी होगी। बैक पेपर के लिए आनॅलाइन आवेदन 16 से 31 जुलाई 2018 तक किये जाएंगे। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र 01 सितम्बर से प्रारम्भ होगा, जबकि सभी कक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा आवेदन 30 सितम्बर 2018 तक लिए जायेंगे। एक से दस अक्टूबर के बीच सभी कक्षाओं की परीक्षा एवं नामांकन शुल्क जमा कराए जायेंगे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर की परीक्षांए 15 नवम्बर 2018 से शुरू होंगी और दूसरे, चौथे एवं छठवें सेमेस्टर की परीक्षाएं अगले साल 24 अप्रैल 2018 से 05 मई 2018 तक आयोजित की जायेंगी। सत्र 2018-19 की प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षाएं अगले साल 15 जनवरी 2019 से 28 फरवरी 2019 तक आयोजित की जायेंगी। विषम अर्थात पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जनवरी से 28 फरवरी 2019 तक आयोजित की जायेंगी जबकि 20 फरवरी से 28 फरवरी 2019 तक परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश दिया जायेगा। वहीं, वर्ष 2017-18 की संस्थागत/भूतपूर्व वार्षिक परीक्षा वर्ष 2019 में 01 मार्च से 30 अप्रैल तक होंगी। 15 जून तक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये जायेंगे।

## शैक्षिक कैलेण्डर सत्र 2018–2019

**(विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु)**

| क्र. सं. | शैक्षिक विवरण | तिथि/अवधि |
|---|---|---|
| 1. | स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष प्रवेश सम्बन्धी समस्त कार्यवाहियाँ पूर्ण करने की अवधि | स्नातक दिनांक 30.06.2018 तक<br>परास्नातक दिनांक 30.07.2018 तक |
| 2. | महाविद्यालय में कक्षायें प्रारम्भ करने की तिथि | दिनांक 10.07.2018 |
| 3. | सम्बद्ध महाविद्यालय में प्रवेशित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने की अंतिम तिथि | स्नातक दिनांक 31.07.2018 तक<br>परास्नातक दिनांक 14.08.2018 तक |
| 4. | बैक पेपर आन–लाइन परीक्षा आवेदन सबमिशन | दिनांक 16.07.2018 से 31.07.2018 तक |
| 5. | स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु आन–लाइन परीक्षा आवेदन सबमिशन प्रारम्भ करने की तिथि | दिनांक 01.09.2018 |
| 6. | बैक पेपर परीक्षा | सितम्बर प्रथम सप्ताह से |
| 7. | समस्त कक्षाओं हेतु आन–लाइन परीक्षा आवेदन सबमिशन की अन्तिम तिथि | दिनांक 30.09.2018 |
| 8. | सभी कक्षाओं हेतु परीक्षा शुल्क एवं नामांकन शुल्क विद्यालय के खाते में जमा करने की अवधि | दिनांक 01.10.2018 से 10.10.2018 तक |

| | | |
|---|---|---|
| 9. | विषम (प्रथम, तृतीय एवं पंचम) सेमेस्टर परीक्षा प्रारम्भ की तिथि | दिनांक 15.11.2018 |
| 10. | सत्र 2018–19 की प्रायोगिक/मौखिकी परीक्षाएं सम्पन्न कराने की अवधि | दिनांक 15.01.2019 से 28.02.2019 तक |
| 11. | परीक्षा की तैयारी हेतु अवकाश | दिनांक 20.02.2019 से 28.02.2019 |
| 12. | सत्र 2017–18 की संस्थागत/भूतपूर्व वार्षिक परीक्षा प्रारम्भ होने की तिथि | दिनांक 01.03.2019 से 30.04.2019 |
| 13. | सम (द्वितीय, चतुर्थ एवं षष्टम) सेमेस्टर परीक्षा प्रारम्भ | दिनांक 20.04.2019 से 05.05.2019 तक |
| 14. | ग्रीष्मावकाश | दिनांक 06.05.2019 से 30.06.2019 तक |
| 15. | परीक्षा परिणाम घोषित होने की अन्तिम तिथि | 15.06.2019 तक |

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में शैक्षणिक पदों हेतु साक्षात्कार हेतु प्रक्रियागत प्रयास

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने 22 अक्टूबर 2016 को विभिन्न पदों के लिए आवेदन मांगे थे। एक वर्ष पूरा होने के बाद भी चयन प्रक्रिया शुरू न हो पाने व नियमों में बदलाव के चलते विश्वविद्यालय ने दोबारा आवेदन मांगा था। आवेदन की अन्तिम तिथि 30 नवम्बर 2017 रखी गई थी। इसमें लगभग पाँच हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय ने स्क्रीनिंग प्रक्रिया का काम पूरा कर लिया है। एक्सपर्ट पैनल पर काम चल रहा है। इस माह के अंत तक साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मुख्य परिसर में अध्यापन एवं शोध कार्य हेतु जिन 92 पदों पर शिक्षक चयन होना है वह मुख्य परिसर में चल रहे पाठ्यक्रमों के लिये किया जाएगा।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ''स्थापना दिवस'' सप्ताहान्तर्गत आयोजित द्वि-दिवसीय पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ व्याख्यानमाला का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित सभागार में
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ व्याख्यान भाग-2

विषय : "Economic Democracy of Pt. Deen Dayal Upadhyaya"

के अवसर पर

दिनांक 13 जून, 2018 को पूर्वाह्न : 11.00 बजे

आप सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य अतिथि

प्रो० गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

पूर्व कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस

मुख्य वक्ता

प्रो० श्याम कार्तिक मिश्रा

पं० दीनदयाल उपाध्याय चेयर प्रोफेसर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस

अध्यक्षता

प्रो० राजेन्द्र प्रसाद

कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

विनीत

कुलसचिव

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

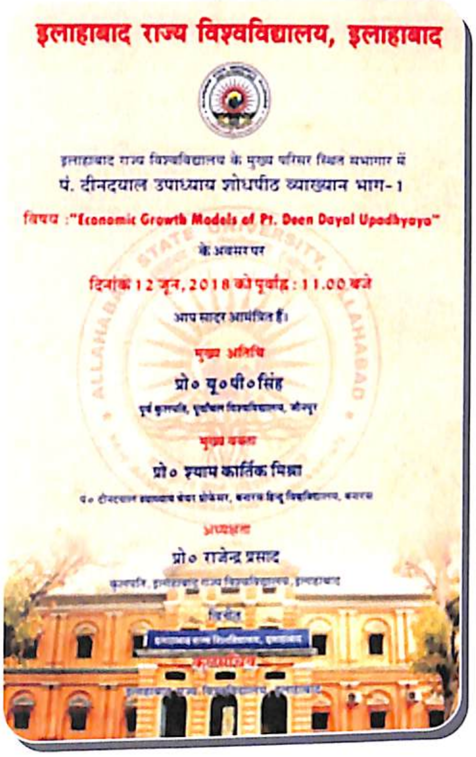
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित सभागार में
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ व्याख्यान भाग-1

विषय :"Economic Growth Models of Pt. Deen Dayal Upadhyaya"

के अवसर पर

दिनांक 12 जून, 2018 को पूर्वाह्न : 11.00 बजे

आप सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य अतिथि

प्रो० यू०पी०सिंह

पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य वक्ता

प्रो० श्याम कार्तिक मिश्रा

पं० दीनदयाल उपाध्याय चेयर प्रोफेसर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस

अध्यक्षता

प्रो० राजेन्द्र प्रसाद

कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

विनीत

कुलसचिव

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित सभागार में
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ व्याख्यान भाग-3

विषय : "Economic Democracy of Pt. Deen Dayal Upadhyaya"

के अवसर पर

दिनांक 13 जून, 2018 को अपराह्न 3.00 बजे

आप सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य अतिथि

प्रो० आर०पी०मिश्रा

पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

मुख्य वक्ता

प्रो० के० एन० सिंह

अध्यक्षता

प्रो० राजेन्द्र प्रसाद

कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

विनीत

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 17 जून को मनाया गया। इसके पूर्व 12 व 13 जून को पूर्वाह्न 11 बजे से 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया।

12 जून को व्याख्यानमाला का विषय ''इकोनॉमिक ग्रोथ मॉडल ऑफ पंडित दीनदयाल उपाध्याय'' रखा गया। 12 जून को मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व-कुलपति प्रो0 यू0पी0सिंह मौजूद थे। मुख्य वक्ता पंडित दीनदयाल उपाध्याय चेयर प्रोफेसर के रूप में, बीएचयू के प्रोफेसर श्यामकार्तिक मिश्रा उपस्थित रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। 13 जून को व्याख्यानमाला का विषय ''इकोनॉमिक डेमोक्रेसी ऑफ पंडित दीनदयाल उपाध्याय'' रखा गया। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 गिरीश चंद्र त्रिपाठी थे। द्वितीय सत्र में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह व इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0मिश्र मौजूद थे। कार्यक्रम इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित सभागार में सम्पन्न हुआ।

## • अर्थ के अभाव या अनिष्टकारी प्रभाव को रोकने हेतु पं0 दीनदयाल उपाध्याय की अर्थ नीति की आवश्यकता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के 'स्थापना दिवस' सप्ताहान्तर्गत आयोजित द्वि-दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ व्याख्यान-माला के प्रथम दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। मुख्य अतिथि प्रो0 यू0पी0सिंह, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय, जौनपुर तथा मुख्य वक्ता पंडित दीनदयाल पीठ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो0 श्यामकार्तिक मिश्र जी रहे।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 श्यामकार्तिक मिश्र ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की आवश्यकता, प्रारूप तथा भविष्य के प्रयासों को समेटते हुए अपने लम्बे व्याख्यान के अन्तर्गत वैश्विक परिप्रेक्ष्य, आवश्यकताओं, पूर्व के दोनों विश्व-युद्धों के मौलिक कारणों, पूँजीवाद तथा समाजवाद के ध्रुवीकरण, लाभ की प्रवृत्ति, रूस के विघटन, एकल ध्रुवीकरण, भारत की पंचवर्षीय योजना की समीक्षा के साथ भारतीय चिंतन के अनुसार विकास को मानवमूलक बताते हुए शरीर, मन, बुद्धि एवं आत्मा के विकास से सम्बन्धित किया। पश्चिम के अर्थ-काम, पालन, उपभोग एवं इच्छाओं की पूर्ति के विपरीत धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष केन्द्रित नैतिक मूल्यों से जोड़कर समग्र सामाजिक सुख को सबको रोटी, सबको स्वास्थ्य, समाजोपयोगी शिक्षा, विकेन्द्रित उत्पादन एवं संस्कारयुक्त बनाने की उपयोगिता पर बल देते हुए अर्थ के अभाव तथा प्रभाव से मुक्त करने की सिफारिश की।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 यू0पी0सिंह जी ने एकात्म-मानववाद के छः सूत्रों के माध्यम से व्यक्ति, मुद्रा, यंत्र, मैटेरियल, बाजार, प्रबंधन एवं मनुष्य के व्यक्तित्व को सामाजिक विकास से जोड़कर मानव विकास हेतु समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। प्रो0 सिंह ने अपनी छोटी-छोटी कहानियों द्वारा विषय को जीवन्त बनाये रखते हुए पं0 दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म-मानववादी दर्शन को अर्थशास्त्रीय विचारों से जोड़ा।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी ने पं0 दीनदयाल जी से सम्बन्धित उनके राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, आध्यात्मिक एवं भौतिक पक्षों को समेटते हुए भारतीय चिन्तकों की इस विराट प्रतिभा के आदर्श एवं व्यवहार पक्ष को मानव विकास के श्रेष्ठ मार्गों में बताया। प्रो0 प्रसाद जी ने अपने विद्वतापूर्ण भाषण में इस अर्थप्रधान युग में व्यक्ति एवं समाज के हित को सुनिश्चित करने के लिये पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के आर्थिक एवं सामाजिक स्वतंत्रता के विचारों का अनुसरण करते हुए मानव मूल्यों को स्थापित करने का सुझाव दिया तथा उचित उत्पादन, वितरण एवं संयमित उपयोग के लिए एकात्म अर्थनीति बनाने पर धयान केन्द्रित करने पर बल दिया। उन्होंने अर्थनीति को 'सम्पत्ति' के स्थान पर मानव-केन्द्रित बनाने पर बल दिया।

समस्त आगत अतिथियों के प्रति धान्यवाद-ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य जी ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में इलाहाबाद महानगर के बुद्धिजीवी, विचारक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, विश्वविद्यालय के शिक्षणगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
12 एवं 13 जून, 2018
"Economic Growth Modeles of Pt. Deen Dayal Upadhyay"
"Economic Democracy of Pt. Deen Dayal Upadhyay"

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस का आयोजन
## ( 17 जून, 2018 )

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह ( 17 जून 2018 ) के मुख्य अतिथि माननीय उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ0 दिनेश शर्मा का उद्बोधन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह में विशाल जन समूह को सम्बोधित करते हुए माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि सरकार किसी भी स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं करना चाहती। इस दिशा में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रगति पर उन्होंने पूर्ण संतोष व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के योगदान एवं कार्यों की प्रशंसा की। सरकार का लक्ष्य राज्य विश्वविद्यालयों के साथ-साथ निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना व विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करना है। इसके लिए निजी विश्वविद्यालयों के लिए जल्द कानून आएगा। इसकी तैयारी चल रही है। विश्वविद्यालय में क्वालिटी एजुकेशन हो,

कैंपस प्लेसमेंट हो इसका प्रयास किया जा रहा है। शिक्षकों का डाटाबेस सरकार तैयार कर रही हैं। इसमें उनके द्वारा किये गये शोध, लेक्चर, योग्यता, किताबें, शोध-पत्र आदि का विवरण होगा। काम के आधार पर शिक्षकों के प्रमोशन आदि भी होंगे। उपमुख्यमंत्री ने अपने व्याख्यान को जारी रखते हुए कहा कि वह स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा चाहते हैं, काम करने वालों को सम्मान देना उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों से गलत काम करने को कहेंगे तो अधिकारियों से अच्छे काम की उम्मीद नहीं की जा सकती। अधिकारियों को बदलने की जरूरत नहीं है, बल्कि उनकी मानसिकता में बदलाव लाने की जरूरत है। पुराने अधिकारियों ने उन्हें अच्छा काम करके दिखाया है। शिक्षा का भला तभी हो सकता है, जब शिक्षक सुखी हों। प्रदेश के शिक्षक अपनी समस्याओं से 30 जून 2018 तक निदेशक उच्च शिक्षा को अवगत करवा दें। सरकार एक से 15 जुलाई 2018 तक उनकी सभी समस्याओं के समाधान की कोशिश करेगी।

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने विश्वविद्यालय की प्रगति के विषय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त (न्यायमूर्ति) गिरिधर मालवीय, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, विधायक अजय भारती, एमएलसी डॉ0 यज्ञदत्त शर्मा, उच्च शिक्षा निदेशक डॉ0 प्रीती गौतम आदि गणमान्य हस्तियां एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

## • 17 जून 2018 द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा प्रगति आख्या का प्रस्तुतीकरण

नैनी स्थित सरस्वती हाईटेक सिटी में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन का भूमि पूजन मुख्य अतिथि माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा के कर-कमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि डॉ0 दिनेश शर्मा का स्वागत करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि चहारदीवारी का निर्माण पूरा कराया जा चुका है और दिसम्बर तक चार मंजिला अकादमिक भवन बनकर तैयार हो जायेगा। इस पर मंत्री ने वहाँ मौजूद कार्यदायी संस्था, 'उ0प्र0निर्माण निगम' के अभियंता से पूछा तो उन्होंने भी कहा कि दिसम्बर से पहले निर्माण पूरा हो जायेगा। अकादमिक भवन का निर्माण पूरा होते ही प्रशासनिक भवन का

निर्माण होगा और फिर आवासीय परिसर बनाया जाएगा। शोध को बढ़ावा देने के लिये भी अतिरिक्त प्रयास किये जा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है, जहाँ स्नातकोत्तर स्तर पर संस्थागत और व्यक्तिगत सभी अभ्यर्थियों के लिए सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद निरन्तर बहुआयामी प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसकी स्थापना के दो वर्ष पूरे होने पर इसकी प्रगति को आप सबसे सहभाग करने हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

दिनांक 16 जून 2016 को यह राज्य विश्वविद्यालय वैश्विक वितान (Worldwide Web) की छत्रछाया में स्थापित हो गया और इसकी वेबसाइट <www.alldstateuniversity.org> उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के कर-कमलों द्वारा लोकर्पित हुई। तत्क्रम में मैंने दिनांक 17 जून 2016 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। तदनन्तर सरकार द्वारा आवंटित सी.पी.आई. परिसर में इस नवस्थापित विश्वविद्यालय को विश्व मानचित्र पर पहचान दिलाने हेतु देश-विदेश के विद्वानों, इलाहाबाद मंडल के यशस्वी राजनेताओं, बुद्धिजीवियों, सम्मानित जनों एवं शासन की शुभाशंसा प्राप्त करते हुए आशा और विश्वास के साथ हम सर्वांगीण सफलता के प्रति कटिबद्ध हैं। सम्प्रति इस नवस्थापित राज्य विश्वविद्यालय में आवासीय खण्ड में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई के साथ-साथ 592 सम्बद्ध महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण उच्चशिक्षा प्रदान किये जाने हेतु उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं। पठन-पाठन, सम्बद्धता, स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली, शुचितापूर्ण नकलविहीन परीक्षा और समय से परिणाम घोषित करने आदि सभी क्षेत्रों में हमें उल्लेखनीय सफलतायें हासिल हुई हैं।

17 जून 2016 से इस विश्वविद्यालय ने अपनी अकादमिक यात्रा प्रारम्भ करके विगत 2 वर्ष के समयान्तराल में शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्रिया-कलापों को समयबद्ध ढंग से संचालित करते हुए, आवासीय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के परिसरों में प्रवेश एवं दैनन्दिन कार्य सहित अध्ययन-अध्यापन को पूरी तरह से क्रियाशील बना दिया है। ज्ञान-विज्ञानार्जन हेतु श्रीमद् भवगद्गीता के कालजयी उद्घोष **''न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते''** को विश्वविद्यालय के प्रतीक-चिह्न में समाहित किया गया है।

इसी बीच आवासीय परिसर में 'सेबी' कार्यशाला, स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता पखवारा', राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारम्भ, विद्यार्थियों के 'व्यक्तित्व विकास' की कार्यशाला आदि आयोजनों द्वारा सर्वांगीण विकास हेतु नयी आशा का संचार हुआ है। वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षाओं का ससमय विनिश्चयन हो चुका है। इस प्रकार आशातीत शैक्षिक स्पंदन परिलक्षित हो रहा है। 13 दिसम्बर 2016 को

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की प्रथम बैठक के दौरान लिये गये निर्णयों के अनुपालन हेतु समुचित कदम उठाये गये हैं।

यह बताते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है कि 'उ0प्र0 औद्योगिक विकास निगम' द्वारा आवंटित लगभग 112.64 एकड़ भूमि पर विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर की स्थापना और प्रशासनिक एवं शैक्षिक भवनों के निर्माण हेतु विगत 20 दिसम्बर 2016 को ''शिलान्यास'' के साथ विकास का नया अध्याय जुड़ गया। तत्क्रम में परिसरान्तर्गत 'स्व0 जनेश्वर मिश्र आधुनिकतम पुस्तकालय' का भी 25 दिसम्बर 2016 को ''शिलान्यास'' किया जा चुका है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद अपने सर्वांगीण विकास के मार्ग पर अग्रसर है। हम सीमित संसाधनों के बावजूद, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता की मिसाल कायम रखते हुए शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों को गतिमान बनाये रखने हेतु कटिबद्ध हैं। यह विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय एवं बहुअनुशासनात्मक (Multi-disciplinary)स्वरूप प्राप्त करे, इस आशा और विश्वास के साथ आधारीय संरचना एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास का प्रयास जारी है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा नैनी स्थित यू0पी0एस0आई0डी0सी0 द्वारा आवंटित भूमि पर निर्माण कार्य चल रहा है।

तत्क्रम में सी0पी0आई0 आवासीय परिसर में संचालित पाठक्रमों की पूर्णता, द्वि-दिवसीय पुस्तक मेला, ''शब्दोत्सव-2017'' एवं कवि सम्मेलन, विद्यार्थियों के कार्यक्रम ''दीपायन-2017'' जैसे आयोजनों से नये बौद्धिक स्पंदन का आगाज हो चुका है। सम्बद्ध महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पठन-पाठन और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को संचालित करने हेतु निरन्तर प्रोत्साहित किया जा रहा है। फलत: इलाहाबाद मण्डल के अन्तर्गत स्थित कई महाविद्यालयों ने समकालीन विषयों पर राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया है। परिसर के बाहर भी इस विश्वविद्यालय की अकादमिक सक्रियता बनी हुई है। खासतौर से ''टाउन और गाउन'' की उदात्त परम्परा कायम करने में हम निरन्तर गतिशील हैं।

इस बीच हमने सेमेस्टर परीक्षाओं को शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराकर परिणाम घोषित किया है। तत्क्रम में सत्र 2016-17 की वार्षिक परीक्षायें मार्च-2017 में प्रारम्भ हुई, जिनके परिणाम ससमय घोषित करने की ''कार्ययोजना'' सफलतापूर्वक लागू की गयी।

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्थापना काल से लेकर अद्यतन भारतीय गति-मान्यता **''चरैवेति-चरैवेति''** का अनुपालन करते हुए अपने बहुमुखी विकास के पथ पर अग्रसर है। शैक्षिक, प्रशासनिक और मुख्य परिसर में नव-निर्माण की गतिविधियों और कार्यों को निरन्तर नये आयाम और आयतन प्राप्त हो रहे हैं । इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार, विशेष रूप से उच्च शिक्षा विभाग, की भूमिका अत्यन्त सराहनीय है।

सत्र 2016-17 के दौरान राज्य विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में संचालित विभिन्न स्नातकोत्तर कक्षाओं की परीक्षाओं के साथ-साथ इलाहाबाद मण्डल में स्थित और इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की परीक्षायें घोषित परीक्षा कार्यक्रम के अनुरूप संचालित की गयी हैं। परीक्षाओं को शुचितापूर्ण और नकलविहीन कराये जाने के लिए समुचित कदम उठाये गये हैं। राजभवन और राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के

अनुक्रम में परीक्षा केन्द्रों/नोडल केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे, वायस रिकार्डर लगाने की कार्यवाही का कड़ाई से पालन कराया गया है। सचल दलों को मोबाइल फोन आधारित जी0पी0एस0 प्रणाली से लैस किया गया है, जिससे केन्द्रवार सटीक पहुँच और निगरानी सुनिश्चित की जा सके। परीक्षाओं के साथ-साथ मूल्यांकन कार्य पूर्ण कराकर **'परीक्षा परिणाम'** घोषित हुए। शैक्षिक और बौद्धिक स्पंदन का मार्ग प्रशस्त करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने 'भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद', नई दिल्ली की आर्थिक सहायता और एडवांस रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मेरठ के संयुक्त प्रयास से 25-26 मार्च, 2017 को 'भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की थी, जिसमें देश के अनेक ख्यातिलब्ध रक्षा विशेषज्ञों, अध्येताओं और लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

परिसर के बाहर भी इस विश्वविद्यालय की सक्रियता बनी हुई है, खासतौर पर, **''टाउन और गाउन''** की उदात्त परम्परा स्थापित करने का प्रयास निरन्तर जारी है। कई सम्बद्ध महाविद्यालयों ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिससे ज्ञान-विज्ञान के सृजन, संचय और फैलाव को समृद्ध करने का सिलसिला हमें अभिनव मूल्य-बोध की ओर आकर्षित कर रहा है। सभी दिशाओं से अच्छे विचार आयें, इस आशा और विश्वास के साथ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की विकास यात्रा जारी है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय अपने सर्वांगीण उन्नयन एवं विकास के पथ पर कीर्तिमान स्थापित करने हेतु अग्रसर है। पठन-पाठन के उपरान्त विद्यार्थियों की वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाओं को नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में सफलता प्राप्त हुई है। दोषी महाविद्यालयों को नियमानुसार दण्डित भी किया गया है। विद्यार्थियों के हित-रक्षण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु हम पूरी तरह से कटिबद्ध हैं।

17 जून 2017 इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के संस्थागत जीवन में प्रतिष्ठित ऐतिहासिक दिवस सिद्ध हुआ क्योंकि इसे राज्य विश्वविद्यालय के **'प्रथम स्थापना दिवस'** के रूप में मनाया गया। इस ऐतिहासिक दिवस पर उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल माननीय राम नाईक और उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षामंत्री प्रो0 (डॉ0) दिनेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति और विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियों के गुणानुवाद का सारस्वत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य का साक्षी रहा है। इस शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् और विद्या परिषद् के सम्मानित सदस्यगण, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण और भारी संख्या में उपस्थित श्रेष्ठजनों ने उपस्थित होकर हमारा मान बढ़ाया। इस बीच इस राज्य विश्वविद्यालय ने सभी दिशाओं से अच्छे विचारों के आगमन की लालसा से विचार-गोष्ठियों के आयोजन और सहभागिता का सिलसिला जारी रखा है। 'टाउन और गाउन' का साहचर्य भी सुसंगत ढंग से गतिमान है। 30 जून 2017 को माननीय कुलाधिपति/श्रीराज्यपाल महोदय ने राजभवन, लखनऊ में काव्यसंग्रह **'समर शेष है'** का लोकार्पण करके **'चरैवेति-चरैवेति'** का शुभंकर संदेश दिया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय प्रशासन सत्र 2017-18 के शुभारम्भ के अवसर पर नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्रबंधकगण और अभिभावकगण का स्वागत एवं अभिनंदन करता है। विगत सत्र में सबके सकारात्मक सहयोग एवं शुभकामनाओं से इस नवस्थापित राज्य

विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के उन्नयन एवं विस्तार के लिए ठोस प्रयास किये हैं। इन सबके सकारात्मक परिणाम सर्वत्र परिलक्षित हो रहे हैं।

राज्य एवं केन्द्र के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में यह राज्य विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है, विशेष रूप से, हम भारत के नव निर्माण एवं उच्च शिक्षा से सम्बंधित विविध क्रियाकलापों यथा-प्रवेश, नकलविहीन परीक्षा, वित्त, सामान्य प्रशासन आदि सभी क्षेत्रों में ऑन-लाइन एवं डिजिटलाइजेशन के प्रति पूर्णरूपेण कृत-संकल्पित हैं। 'वार्षिक कैलेण्डर' के अनुरूप समस्त क्रियाकलाप जारी है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय राज्य का ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने अपनी स्थापना के उपरान्त गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए विधिसम्मत कदम उठाते हुए समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठयक्रमों को राज्य/केन्द्र सरकार की मंशा के अनुरूप पूर्णरूपेण व्यावहारिक और अप-टू-डेट बनाया है। स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू है, पठन-पाठन सुचारू रूप से जारी है। हमने शोध-अध्यादेश, शोध प्रोजेक्ट और पं0दीनदयाल उपाध्याय पीठ की स्थापना की दिशा में सफलता हासिल की है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा अपने बहुमुखी विकास के क्रम में सम्बद्ध महाविद्यालयों में पठन-पाठन के साथ-साथ शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीड़ा परिषद् का गठन किया जा चुका है। इनसे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण, समाज व राष्ट्र हित के कार्यों में सहभागिता और उदात्त जीवन-मूल्यों के सृजन एवं विस्तार का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

विभिन्न शैक्षिक और प्रशासनिक क्रियाकलापों के सम्पादन के साथ-साथ सांस्कृतिक व राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों के अन्तर्गत गाँधी जयन्ती, राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2017) के उपलक्ष्य में **''समकालीन परिदृश्य में राष्ट्रीय एकता के संवाहक के रूप में सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रासंगिकता''** विषयक परिचर्चा और एक **''अखिल भारतीय कवि सम्मेलन''** का परिसर में आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ पूर्व-उच्च शिक्षामंत्री प्रो0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। **''टाउन और गाउन''** के बीच पारदर्शी सम्बंध रखते हुए हमने माननीय हाईकोर्ट के प्रांगण में माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण टण्डन की गरिमामयी उपस्थिति में **'सिविल नागरिक आचार-संहिता'** पुस्तक-विमोचन, **'पारिस्थितिकी असन्तुलन'** विषय पर विज्ञान परिषद, इलाहाबाद में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार की वरिष्ठ काबीना मंत्री प्रो0 श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी के साथ अध्यक्षता का दायित्व, **''सद्भावना स्वच्छता''** विषयक परिचर्चा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में **'जम्मू व कश्मीर'** विषयक संगोष्ठी जैसे महत्वपूर्ण विमर्शों, परिचर्चाओं में सहभागिता करके उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक स्पंदन की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने वर्ष 2017 के अंत तक अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो आगे चलकर गुणवत्तापूर्ण उच्चशिक्षा हेतु मील के पत्थर साबित होंगी। उत्तर प्रदेश का यह पहला विश्वविद्यालय है, जहाँ नियमानुसार विभिन्न विधायी समितियों एवं कार्यपरिषद् द्वारा निर्णय करके स्नातक एवं स्नातोकत्तर स्तर के सभी विषयों के पाठ्यक्रमों में यथावांछित संशोधन एवं परिवर्द्धन करके **स्नातकोत्तर** स्तर पर विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पठन-पाठन व परीक्षा हेतु **सेमेस्टर**

**प्रणाली लागू की गयी है।** तत्क्रम में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली, प्रवेश, परीक्षा और शोध अध्यादेश पारित हो चुके हैं। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् ने सर्वसम्मति से ज्ञान-विज्ञान की विविध शाखाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा देने हेतु **'स्कालर-इन-रेजीडेंस'** प्रोग्राम और युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय सुरक्षा व विकास सम्बंधी चेतना से सम्पन्न करने के लिए **'यूनिवर्सिटी-आर्म्ड सर्विसेज इंटरक्टिव प्रोग्राम'** पर अपनी मुहर लगा दी है। इसके अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना, क्रीड़ा परिषद् और **'टाउन और गाउन'** की गतिविधियाँ भी इस राज्य विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में बहुआयामी योगदान कर रही हैं। वर्ष 2018 सर्वांगीण बौद्धिक एवं सांस्कृतिक स्पन्दन से परिपूर्ण होगा, ऐसा हमारा संकल्प है।

इस बीच सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं अन्य विश्वविद्यालयी संगोष्ठियों में मुख्य अतिथि/बीज वक्तव्यदाता के रूप में मैंने लगातार शिरकत करके एवं समय-समय पर विशिष्ट व्याख्यान एवं विचार-विमर्श करके इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को उल्लेखनीय गौरव प्रदान किया है। हमने ''टाउन एवं गाउन' की उदात्त परम्परा को संगम नगरी में जारी रखा है। मेरी दृष्टि में ज्ञान के संचय, सृजन एवं विस्तार के लिए इस प्रकार का बौद्धिक स्पंदन अत्यन्त उपयोगी पाथेय है।

वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास की पूर्व-निर्धारित कार्य-योजनायें मूर्तरूप ग्रहण करने जा रही हैं, यथा-सरस्वती हाइटेक सिटी, सेक्टर-1 में मुख्य प्रशासनिक एवं अकादमिक भवनों के प्रथम चरण के निर्माण कार्य, नये कोर्सेज का सृजन, परीक्षा प्रणाली में सुधार आदि प्रमुख हैं। सी0पी0आई0 आवासीय परिसर भवन में सेमेस्टर परीक्षाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षा परिणाम हेतु विश्वविद्यालय अग्रसर है। शोध को बढ़ावा देने के लिए शोध अध्यादेश पारित करके शासन को प्रेषित किया जा चुका है, जिससे ज्ञान-विज्ञान के सृजन, संचय एवं विस्तार की आशाजनक अवसर उत्पन्न हों।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय सी0पी0आई0 परिसर में बहुआयामी विकास को मूर्तरुप देते हुए, विद्यार्थियों को देश की सुरक्षा समस्याओं से परिचित कराने हेतु ''संवेदना जागृति'' एवं ''व्यक्तित्व विकास'' को केन्द्र में रखकर ''दीपायन'' जैसे कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें छात्र-छात्राओं की प्रतिभा मुखरित हुई। यह सुखद संयोग है कि उ0प्र0 सरकार ने इस राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने हेतु 17 करोड़ की दूसरी किश्त जारी की है और सी0पी0आई0 कैम्पस में मरम्मत आदि के लिए 54 लाख की अतिरिक्त धनराशि देकर प्रोत्साहित किया है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षायें 12 मार्च 2018 से प्रारम्भ होकर 5 मई 2018 को समाप्त हो गईं। परीक्षा को नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया। इसके साथ-साथ परिसर में मूल्यांकन कार्य भी यथासमय प्रारम्भ करा दिया गया था, जिससे समय से सारे परीक्षा परिणाम घोषित करने में आशातीत सफलता प्राप्त हुई है और आगामी शैक्षिक सत्र 2018-19 नियमन सुनिश्चित है।

इन सबको समेटते हुए विगत दो सत्रों की प्रगति को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करते हुए हम परम आह्लादित हैं। इस अवसर पर हम उत्तर प्रदेश सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, समस्त शिक्षिकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्रबन्धतंत्र का तहे दिल से अभिनंदन करते हैं।

## • इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के द्वितीय स्थापना दिवस की झलकियाँ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

डॉ. दिनेश शर्मा

STATE
उत्तरप्रदेश

LIVE
TODAY
STATE
उत्तरप्रदेश
हिन्दी
ख़बर
आज
तक

VVIP

# 'टाउन एवं गाउन' की गतिविधियों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

## • पं. गंगानाथ झा पीठ द्वारा आयोजित ''भगवद्गीता के विविध आयाम'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता (06 मई, 2018)

''भगवद्गीता के विविध आयाम'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजलक्ष्मी वर्मा ने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन के उच्चतम लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन भी है। वह सार्वकालिक ग्रंथ है और गीता की प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि गीता मानवता को संरक्षित करने वाला ग्रंथ है। गीता के समत्व योग की प्रासंगिकता को व्याख्यायित करते हुए उन्होनें कहा कि समाज में 'दुर्जन' समय-समय पर पथ से विचलित करने का प्रयास करते हैं, किन्तु मनुष्य को चाहिए कि वह स्थितप्रज्ञ की भांति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करें और वाचा, मनसा, कर्मणा गीता का अनुसरण करें। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. पीयूषरंजन अग्रवाल ने कहा कि गीता मनुष्य को द्वंद्व से मुक्त करने का कार्य करती है। जीवन की सार्थकता गीता द्वारा ही सम्भव है। अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो. के.एस.मिश्र ने कहा कि गीता पर पर्याप्त होना विमर्श होना चाहिए क्योंकि गीता का प्रत्येक शब्द ज्ञान के रूप में है। समारोह में प्रो. बी.राजगोपालचारी संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. के0पी0 सिंह बीएचयू, प्रो. शुकदेव भोई लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, डा. विजयशंकर शुक्ल गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली एवं प्रो0 के0जी0श्रीवास्तव,पूर्व-कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद आदि ने सम्बोधित किया। संचालन पीठ प्रभारी प्रो. उमाकान्त यादव, स्वागत प्रो. कौशल किशोर श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रामसेवक दुबे ने किया।

## •''उभरता पूर्वोत्तर भारत'' विषयक संगोष्ठी में सहभागिता एवं अध्यक्षीय उद्बोधन ( 12 मई, 2018 )

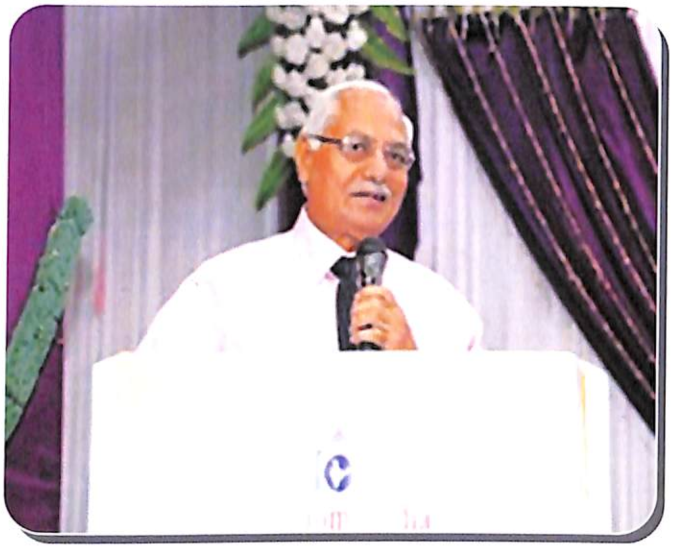

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए वहाँ के लोगों को 'अलगाववाद' से दूर रखकर राष्ट्र की मुख्य धारा में लाना होगा। बाहरी शक्तियों की गतिविधियों एवं आतंकवाद को सुनियोजित ढंग से रोकने के लिए 'जीरो टालरेंस' की नीति अपनानी होगी।

मुख्य वक्ता श्री सुनील देवधर ने 'उभरता पूर्वोत्तर' विषयक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि पहले जब कभी वह पूर्वोत्तर के विषय पर बोलते थे तो विषय रहता था 'जलता पूर्वोत्तर' लेकिन पिछले 5 दशकों में संघ के स्वयंसेवकों के बलिदान का यह परिणाम है कि आज वह इस स्थिति पर पहुँचे हैं कि 'उभरता पूर्वोत्तर' विषय पर परिचर्चा कर रहे हैं। शेष भारत में पूर्वोत्तर को लेकर जागरूकता फैले इसके लिये 'माय होम इंण्डिया' के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सेवा दिया है। लेकिन अभी भारतीय समाज के पूर्वोत्तर के संदर्भ में जो भ्रांतियाँ फैली हैं, उसे दूर करना आने वाले समय में उनकी पहली प्राथमिकता होगी। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए पूर्वोत्तर के लोगों ने बड़े बलिदान दिये हैं, लेकिन जो सम्मान उन्हें यहां की पाठ्य पुस्तकों में मिलना चाहिए, उसे पूर्ववर्ती सरकारों ने नहीं दिया। बच्चों के पाठ्यक्रम में पूर्वोत्तर के

स्वातंत्र्य वीर लाचित बोरफुकन, अरूणाचल के क्रांतिकारी मोजे रीबा, मणिपुर की रानी गैदुंली और असम की 17 साल की वीरंगना नारी कनकलता बरुआ की वीरता से पूरे देश को अवगत कराना जरूरी है। पूर्वोत्तर के निर्दोष आदिवासियों के धर्मातरण पर रोष व्यक्त करते हुए उन्होनें कहा कि मतांतरण से राष्ट्रांतरण होता है, वह एक सिद्धांत है और हम राष्ट्रांतरण नहीं होने देंगे। डॉ. ए.के.सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

## • 'गंगा समग्र यात्रा' की ओर से आयोजित गंगा आरती में सहभागिता (19 मई, 2018)

का संगम के पास समापन हुआ। इस अवसर पर
'गंगा समग्र यात्रा' की ओर से गंगा जन-जागरण यात्रा का संगम के पास समापन हुआ। इस अवसर पर इलाहाबाद
आयोजित समारोह में गंगा की निर्मलता हेतु समाज को जागरूक करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद
राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, पूर्व न्यायाधीश रणविजय सिंह आई0के0 चतुर्वेदी,
प्रभांकर पांडेय, सुनील, चिंतामणि, राजेश त्रिपाठी, हरिनारायण शुक्ला, सतीश पांडेय, जितेन्द्र गौड़ आदि की
गरिमामयी उपस्थिति में गंगा की पूजा और आरती की गयी।

## • उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद में 'द्वितीय भोजपुरी महोत्सव' समारोह में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद को 'भोजपुरी भूषण सम्मान' : (27 मई, 2018)

भोजपुरी महोत्सव 'माई' में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद
उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र के प्रेक्षागृह में आयोजित द्वितीय भोजपुरी महोत्सव 'माई' में स्वाती सिंह ने कहा कि
को 'भोजपुरी भूषण' सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर उ0प्र0 सरकार में मंत्री स्वाती सिंह ने दुनिया के 17
भोजपुरी हमारी अस्मिता और पहचान है। विश्व भोजपुरी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत दुबे ने दुनिया के 17

देशों में बोली जाने वाली भोजपुरी की उपेक्षा पर चिंता जताई। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, बिहार भोजपुरी अकादमी के अध्यक्ष चंद्रभूषण राय, लंदन में बिहारी कनेक्ट आंदोलन चलाने वाले उदेश्वर सिंह, दुबई से आए कृष्ण प्रताप सिंह, दिल्ली से मुकेश कुमार सिंह ने भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का मुद्दा उठाया।

बतौर मुख्य अतिथि भारत में मॉरिशस के राजदूत जगदीश गोवर्धन ने भोजपुरी को बचाने के लिए ठोस पहल करने पर जोर दिया। इस दौरान भिखारी ठाकुर, महेंदर मिसिर जैसे भोजपुरी गीतकारों को नमन किया गया। संचालन मनोज सिंह भावुक ने किया। संयोजन अजीत विक्रम सिंह, संजय सिंह और अजीत सिंह ने किया।

## • राजभवन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के अभिनंदन ग्रंथ ''सिन्यूज ऑफ इंडिया इंटरनल सिक्योरिटी इन 21 सेंचुरी' का विमोचन :

21 मई, 2018 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के अभिनंदन

ग्रंथ **''सिन्यूज ऑफ इंडिया इंटरनल सिक्योरिटी इन 21 सेंचुरी''** का विमोचन कुलाधिपति/राज्यपाल श्री राम नाईक जी द्वारा किया गया। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि पुस्तक का संपादन डॉ0 प्रशांत अग्रवाल एवं डॉ0संजय कुमार ने किया है। दोनों ने ही इसे कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के अभिनंदन ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत किया है। राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह ज्ञान में वृद्धि करने वाली पुस्तक है। विद्यार्थियों, रक्षा शोधार्थियों व देश की सुरक्षा पर लिखने वालों के लिए यह अधिकृत पुस्तक होगी। यह संयोग है कि आज आतंकवाद विरोधी दिवस है और हम आज ही के दिन इस पुस्तक का विमोचन कर रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के पास बहुमुखी प्रतिभा है। उन्होंने अनेक कविताएं एवं लेख लिखने के साथ-साथ देश की सुरक्षा पर भी गंभीर चिंतन-मनन किया है। वे रक्षा विशेषज्ञ भी हैं। इस अवसर पर राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर एवं राजभवन के विशिष्टजन और बुद्विजीवी पत्रकार आदि उपस्थित थे।

# इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2018) के अवसर पर कार्यक्रम

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई कैम्पस में 21 जून 2018 को 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' सुबह 6:00 बजे से 7:00 बजे तक राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद एवं पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में योगाभ्यास का आयोजन किया गया। 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर आयोजित योग शिविर में प्रतिभागियों को योग के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने कहा कि- योग से हमारी प्राचीनतम पहचान है। संसार की प्रथम पुस्तक ऋग्वेद में कई स्थानों पर यौगिक क्रियाओं का उल्लेख मिलता है। भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है, बाद में कृष्ण, महावीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया। इसके बाद पतंजलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। योग हमारे शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के लिये लाभदायक है। योग के माध्यम से आत्मिक संतुष्टि, शांति और ऊर्जावान चेतना की अनुभूति प्राप्त होती है, जिससे हमारा जीवन तनावमुक्त होता है तथा हम हर दिन सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हैं। हमारे देश की ऋषि परम्परा को आज विश्व भी अपना रहा है। 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाये जाने के लिये संयुक्त राष्ट्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा रखे गये प्रस्ताव को 177 देशों ने अत्यंत सीमित समय में पारित कर दिया था और 21 जून 2015 को प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अब पूरे विश्व में बड़े उत्साह के साथ प्रत्येक वर्ष इसे मनाया जा रहा है।

21 जून 2018 को विश्वविद्यालय प्रांगण में सभी अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आसन और प्राणायम कर क्रियाओं का अभ्यास किया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री धर्मेन्द्र त्रिपाठी, कुलसचिव/परीक्षा नियंत्रक डॉ0 विनीता यादव, उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा, प्रो0 जे0एन0मिश्र, प्रो0 जे0एन0पाल, प्रो0 आर0बी0एस0वर्मा, प्रो. एम0एन0सिंह और राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ0 उपेन्द्र सिंह सहित लगभग 100 लोगों ने योग क्रिया में भाग लिया।

## राज्य विविं के बीकॉम प्रथम और द्वितीय वर्ष का रिजल्ट घोषित

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने चार भई को बीकॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष सत्र 2017-18 का रिजल्ट घोषित कर दिया। कुलसचिव डॉ. साहब लाल मौर्य के अनुसार परीक्षार्थी अपना परीक्षाफल विश्वविद्यालय की वेबसाइट 'www.alldstateuniversity.org' से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा परिणाम समय से जारी होने पर कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने संतुष्टि जाहिर करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अफसरों को निर्देश दिए हैं कि बाकी परीक्षाओं के परिणाम भी समय से जारी किए जाएं।

## उच्चतम लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन है गीता

## एएसयू की एमए-एमएससी की स्थगित परीक्षा आज

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की एमए, एमएससी द्वितीय वर्ष की गणित द्वितीय प्रश्न पत्र की स्थगित परीक्षा सात मई को अपराह्न तीन बजे से होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. साहब लाल मौर्य ने बताया कि यह परीक्षा 13 अप्रैल को प्रदेश के चार जनपदों में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा का पेपर वाट्सएप पर व मैसेंजर पर लीक कर दिया गया था। इसके बाद कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने परीक्षा समिति की बैठक बुलाकर परीक्षा को निरस्त कर दिया था। जास

## ALLAHABAD STATE UNIVERSITY, ALLAHABAD

No. ASUA/R O /287/2018 Dated: 06.05.2018

### ADMISSION NOTICE 2018-2019

Applications are invited for admissions in the regular programmes : M.A. in Hindi, Economics, Ancient History, Political Science, Master in Social Work and M.Com running in the University Campus and Professional Courses : Three year L.L.B., Five Year B.A.L.L.B., B.B.A., B.C.A., B.P.Ed., M.P.Ed., M.Ed. in its affiliated colleges as per following:

Date of Registration & Online Submission- 10 May 2018

Last Date of Online Submission - 31 May 2018.

Dates of Test - 23 & 24 June 2018

For details visit the website www.alldstateuniversity.org

Registrar

## अब निजी विश्वविद्यालयों के लिए बनेगा कानून

एएसयू के स्थापना दिवस में उपमुख्यमंत्री बोले, शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं

## राज्य विवि में भी हैं दर्जनों नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम

**दाखिले की दौड़**

जागरण संवाददाता • इलाहाबाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में दर्जनों व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्तमान शैक्षिक सत्र में शुरू करने की योजना है। मुख्य कैंपस में यह कोर्स संचालित किये जाएंगे। मुख्य परिसर बनने के साथ ही इसमें शैक्षिक गतिविधियों को विस्तार दिया जाएगा। इसमें नर्सिंग, सिनेमा एवं नाट्य अध्ययन, प्रोफेशनल उर्दू, फिजियोथिरेपी, टेक्सटाइल, फॉरेंसिक स्टडीज, डिजास्टर मैनेजमेंट, आयुर्वेद-यूनानी, एग्रीकल्चरल स्टडीज सहित पॉपुलर कोर्स का संचालन किया जाएगा। साथ ही पीजी, स्नातक डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम शामिल होंगे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय

कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विधि वर्ग से छात्रों के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का लक्ष्य, सभी व्यक्तियों को अच्छे रोजगार सुलभ कराने तथा विश्व बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें उन्नत कौशल, ज्ञान तथा योग्यताओं के माध्यम से सक्षम बनाना है।

इस योजना के माध्यम से युवाओं, महिलाओं एवं वंचित वर्ग के छात्रों को कौशल विकास का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन कोर्स की खास बात यह होगी कि बाजार की वर्तमान तथा बढ़ रही रोजगार आवश्यकताओं को देखते हुए इसका कोर्स तैयार किया जा रहा है। सरस्वती हाईटेक सिटी में प्रस्तावित विवि के मुख्य परिसर के बनते ही वहां पर शैक्षिक गतिविधियां विस्तार लेंगी।

वर्तमान में विवि में विभिन्न परंपरागत कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इसमें एमकॉम के अतिरिक्त मानविकी एवं कला के विषयों में परास्नातक है। विश्वविद्यालय के परंपरागत कोर्स में पीजी स्तर पर जो भी कोर्स संचालित हो रहे हैं उसमें व्यक्तित्व विकास एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण को भी जोड़ दिया गया है। ताकि छात्र एमए, एमकॉम की डिग्री जब प्राप्त करें उनके सामने रोजगार की समस्या न हो। छात्र शिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न प्रोफेशनल पदों पर पूरे आत्मविश्वास के साथ काम कर सकें।

प्रो. राजेंद्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विवि।

## विश्वविद्यालयों में 70% कोर्स समान होंगे : दिनेश

## गंगा रथ से दिया स्वच्छता का संदेश, संगम पर आरती

इलाहाबाद। गंगा समग्र के तहत शुक्रवार को जागरूकता यात्रा निकालकर निर्मलता का संदेश दिया गया। इस दौरान गंगा रथ जिस इलाके से गुजरा, भीड़ लग गई। रास्ते भर लोगों ने गंगा रथ का स्वागत किया। इस दौरान गंगा स्वच्छता के लिए संकल्प पत्र भरवाए गए। बंधवा हनुमान जी के सामने हुई सभा में कहा गया कि गंगा भारतीय संस्कृति की प्रतीक और अस्मिता से जुड़ी हुई है। इस जीन धारा की रक्षा के लिए हर किसी को आगे आना होगा। इसके बाद संगम तट पर भव्य गंगा आरती की गई। गंगा रथ सुबह सरस्वती घाट से रवाना हुआ। इसके बाद सुलेम सराय, रामबाग, जानसेनगंज, कोठापार्चा, सिविल लाइंस, जार्ज टाउन से संघ कार्यालय (माधव कुंज) पहुंचकर अभियान कर्मियों ने विश्राम किया।

## राज्य विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 31 तक

जागरण संवाददाता, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2018-2019 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रवेश के लिए आवेदन 31 मई तक किए जा सकेंगे। एमकॉम, एमए, प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाज कार्य व हिंदी में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों बीबीए, बीसीए, बीपीएड, एमएड व एमपीएड में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू है। प्रवेश से संबंधित विवरण व अर्हताओं आदि के बारे में जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://www.alldstateuniversity.org पर लॉगइन कर ली जा सकती है।

70 फीसद से अधिक अंक दिए तो बताना होगा कारण : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने प्रायोगिक विषयों की कॉपियों के मूल्यांकन में एक शर्त लगा दी है। जिन विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा में 70 फीसद से अधिक अंक दिए जाएंगे उनका कारण बताना होगा।

यही नहीं विश्वविद्यालय को संबंधित छात्र-छात्रा की कॉपी भी सीलकर विश्वविद्यालय को भेजनी होगी। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि इसके पीछे मंशा यह है कि महाविद्यालय मनमाने ढंग से छात्रों को गलत तरीके से अंक न बांट सकें। इसके पीछे छात्रों से प्रायोगिक परीक्षा के नाम पर धन उगाही को भी रोकना है।

इसके अलावा विश्वविद्यालय ने इस बार यह व्यवस्था भी की है कि मौखिक परीक्षा के अंकों को ऑनलाइन करने के बाद प्राप्तांकों की हार्डकॉपी के साथ प्रयोगशाला में आंतरिक बाह्य परीक्षक के साथ छात्रों की फोटो खिंचवाकर भी विश्वविद्यालय भेजनी होगी। इसके पीछे यह पता लगाना है कि मौखिक परीक्षा हुई भी या नहीं। यही नहीं रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मौर्य ने मौखिक व प्रायोगिक परीक्षा की वीडियोग्राफी कराकर सीडी को वीडियोग्राफी कराकर विश्वविद्यालय को भेजने को कहा है।

**प्रक्रिया**

- विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ले सकते हैं अधिक जानकारी
- कैंपस में संचालित मानविकी व पाठ्यक्रमों में दिया जाएगा प्रवेश

## मंच से भोजपुरी के लिए उठी आवाज

## 'अभिनंदन ग्रंथ से अच्छा उपहार कुछ भी नहीं'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि एक शिक्षक के लिए अभिनंदन ग्रंथ से अच्छा उपहार कोई दूसरा नहीं हो सकता है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद के लिए आज खुशी का दिन है कि उनके अभिनंदन ग्रंथ का विमोचन हो रहा है। राज्यपाल सोमवार को उनके अभिनंदन ग्रंथ 'सिन्यूज ऑफ इंडियाज इंटरनल सिक्योरिटीज इन 21 सेंचुरी' का विमोचन कर रहे थे।

राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि इस पुस्तक का संपादन डॉ. प्रशांत अग्रवाल व डॉ. संजय कुमार ने किया है। दोनों ने ही इसे कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद के अभिनंदन ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत किया है। राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह ज्ञान में वृद्धि करने वाली पुस्तक है। विद्यार्थियों, रक्षा शोधार्थियों व देश की सुरक्षा पर लिखने वालों के लिए यह अधिकृत पुस्तक होगी। यह संयोग है कि आज आतंकवाद विरोधी दिवस है और हम आज ही के दिन इस पुस्तक का विमोचन कर रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रो. प्रसाद के पास बहुमुखी प्रतिभा है। उन्होंने अनेक कविताएं एवं लेख लिखने के साथ-साथ देश की सुरक्षा पर भी गंभीर चिंतन-मनन किया है। वे रक्षा विशेषज्ञ भी हैं।

राजभवन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद के अभिनंदन ग्रंथ का विमोचन करते राज्यपाल राम नाईक। जागरण

## एकात्म मानवतावाद की महत्ता को किया रेखांकित

कार्यक्रम में कुलपति को सम्मानित किया गया।

## राज्य विवि: प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

31 मई तक लिए जाएंगे आवेदन, 23-24 जून को परीक्षा, संबद्ध कॉलेजों के प्रोफेशनल कोर्स में भी होगा दाखिला

# Allahabad State University

## MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to galvanise integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for higher learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, Doctoral, Post-doctoral and Professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

## GOALS

Allahabad State University (ASU) is established to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution, encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will evolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be ensured to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional ensured needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

ASU is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, ASU is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century, coupled with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities..